>

Title: Need to deploy Guards and File Watchers for safeguarding of Crops and forests from fire in Himachal Pradesh under Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर.िह. प्र .) : मैं भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। हिमाचल प्रदेश में बन्दरों एवं जंगली जानवरों जैसे सुअर और नील गाय आदि के उत्पात के कारण किसानों ने अपने खेतों में बीज बोना बन्द कर दिया है। मैं सुझाव के रूप में कहना चाहता हूं कि मनरेगा के अन्तर्गत "रखवाले " नियुक्त किए जाएं जिन्हें मनरेगा से वेतन के रूप में पैसा मिले और वे बन्दरों एवं अन्य जंगली जानवरों से खेतों की रक्षा करें।

हमारे पहाड़ी क्षेत्रों में ग्रीष्म काल में आग लगने के कारण राष्ट्र की बेशक़ीमती पशु एवं वन्य सम्पत्ति जल कर नष्ट हो जाती है तथा दुर्लभ जीव-जन्तु मर जाते हैं। इसके कारण पहाड़ों में अनेक दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा जीव-जन्तुओं की प्रजातियां नष्ट होने के कगार पर हैं। इसका मुख्य कारण हमारी सम्पूर्ण वन नीति जनता और वनों के बीच में दूरी बढ़ाने वाली है, न कि घटाने वाली। इस कारण स्थानीय लोग जंगलों की आग को बुझाने में अपना पूर्ण सहयोग नहीं देते हैं क्योंकि जंगलों से उन्हें अपनी रोज़ाना की जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी भी प्रकार की वन्य संपदा का प्रयोग कानूनी रूप से वर्जित है। मेरा निवेदन है कि वनों में लगने वाली आग से बचाव के लिए "फायर वॉचर " नियुक्त कर दिया जाए जिनकी पारिश्रमिक महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम (मनरेगा) के तहत देने का प्रावधान कर दिया जाए।